सैंपल प्रश्नपत्र (हल रहित)

(कक्षा नवीं-अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश

* इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
* चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
* यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड – क : अपठित बोध

[15 अंक]

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[8]**

सज्जनों की संगति को सत्संगति कहा जाता है। 'सत्संगति' दो शब्दों का योग है-सत्, सगति। सत्संगति का प्रभाव मानव जीवन पर अवश्य पड़ता है। सत्संगति मनुष्य के जीवन को ही बदल देती है। मनुष्य अपनी स्वयं की संगति से ही जाना जाता है। मनुष्य अपने जीवन में सफल होगा या असफल यह उसके भाग्य पर नहीं, संगति पर निर्भर करता है। महापुरुषों का सत्संग मानव का कल्याण करता है। यदि दुर्जन व्यक्ति भी सत्संग रूपी गंगा में स्नान कर लें तो उसे दान, तीर्थ, तप आदि की क्या आवश्यकता है? सत्संग में होने वाला मरण भी मनुष्य का उद्धार कर देता है।

मनुष्य बहुत सरलता से कुसंगति में पड़ सकता है। उसका प्रभाव बहुत तीव्रता से पड़ता है। अतः मनुष्य को सदैव सत्संगति में रहना चाहिए। भगवान राम के सत्संग से वानर और रीछ संस्कृति के अनुयायी भी तर गए। सत्संग से ही रत्नाकर वाल्मीकि बने। तुलसीदास जी ने कहा है–'बिनु सत्संग विवेक न होई।' परमेश्वर भी संगति से प्राप्त होता है। अच्छी संगति में रहने से मनुष्य का व्यवहार नम्रता से परिपूर्ण हो जाता है, जिससे वह सबका प्यार पा लेता है।

(*i*) सत्संगति का क्या आशय है? **[2]**

(*ii*) सत्संगति की क्या महिमा बताई गई है? **[2]**

(*iii*) सत्संगति के संबंध में किन महापुरुषों के उदाहरण दिए गए हैं? लिखिए। **[2]**

(*iv*) अच्छी संगति का मानव व्यवहार पर क्या प्रभाव पड़ता है? **[1]**

(*v*) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। **[1]**

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[7]**

अमल धवल गिरि के शिखरों पर
बादल को घिरते देखा है
छोटे-छोटे मोती जैसे
अतिशय शीतल वारि कणों को
मान सरोवर के उन स्वर्णिम
कमलों पर गिरते देखा है।
तुंग हिमालय के कंधों पर
छोटी बड़ी कई झीलों के
श्यामल शीतल अमल सलिल में
समतल देशों से आ आकर
पावस की ऊमस से आकुल
तिक्त मधुर बिसतंतु खोजते हँसों को तिरते देखा है।
एक दूसरे से वियुक्त हुए
अलग-अलग रह कर भी जिनको

सारी रात बितानी होती
निशाकाल के चिर अभिशापित
बेबस उन चकवा, चकवी का
बंद हुआ क्रंदन फिर उनमें
उस महान सरवर के तीरे
शैवालों की हरी दरी पर प्रणय कलह छिड़ते देखा है।

(*i*) कवि ने बादलों को कहाँ घिरते देखा है और वारि कणों को कहाँ गिरते देखा है? **[2]**

(*ii*) कवि ने हंसों को कहाँ तैरते देखा है? **[1]**

(*iii*) कवि ने किन पक्षियों को क्रंदन करते देखा है? **[1]**

(*iv*) 'चिर अभिशापित' का क्या अर्थ है? **[1]**

(*v*) काव्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए। **[2]**

खंड – ख : व्यावहारिक व्याकरण

[15 अंक]

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। **[7]**

(क) 'परिप्रश्न' शब्द में उपसर्ग व मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'इत' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

(ग) 'भुलक्कड़' शब्दों से प्रत्यय व मूल शब्द अलग करके लिखिए।

(घ) 'आर' प्रत्यय से एक शब्द बनाइए।

(ङ) निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए।

(*i*) पंचामृत **(*ii*)** कमल के समान चरण **(*iii*)** गुणों से हीन

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। **[4]**

(क) अर्थ के आधार पर नीचे लिखे वाक्यों के भेद बताइए।

(*i*) जब तक तुम काम पूरा नहीं कर लेते, कहीं नहीं जाओगे।

(*ii*) हमारी भैंस रोज़ चार किलो दूध देती है।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

(*i*) मेरा लड़का खेल रहा है। (प्रश्नवाचक वाक्य)

(*ii*) सीता स्कूल चली गई। (संदेहवाचक वाक्य)

5. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए। **[4]**

(क) फूली सरसों पीली पीली।

(ख) लो हरित धरा से झाँक रही।

(ग) नीलम की काले, तीसी नीली।

(घ) तीन बेर खाती थीं वे तीन बेर खाती हैं।

खंड – ग : पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक

[30 अंक]

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। **[5]**

दूसरे दिन हम घोड़ों पर सवार होकर ऊपर की ओर चले। डाँड़े से पहले एक जगह चाय पी और दोपहर के वक्त डाँड़े के ऊपर जा पहुँचे। हम समुद्रतल से 17-18 हज़ार फीट ऊँचे खड़े थे। हमारी दक्खिन तरफ़ पूरब से पच्छिम की ओर हिमालय के हज़ारों श्वेत शिखर चले गए थे। भीटे की ओर दिखने वाले पहाड़ बिलकुल नंगे थे, न वहाँ बरफ़ की सफ़ेदी थी, न किसी तरह की हरियाली। उत्तर की तरफ़ बहुत कम बरफ़ वाली चोटियाँ दिखाई पड़ती थीं। सर्वोच्च स्थान पर डाँड़े

के देवता का स्थान था, जो पत्थरों के ढेर, जानवरों के सींगों और रंग-बिरंगे कपड़े की झंडियों से सजाया गया था। अब हमें बराबर उतराई पर चलना था। चढ़ाई तो कुछ दूर थोड़ी मुश्किल थी, लेकिन उतराई बिलकुल नहीं। शायद दो-एक और सवार साथी हमारे साथ चल रहे थे। मेरा घोड़ा कुछ धीमे चलने लगा। मैंने समझा कि चढ़ाई की थकावट के कारण ऐसा कर रहा है, और उसे मारना नहीं चाहता था। धीरे-धीरे वह बहुत पिछड़ गया और मैं दोन्किवक्स्तो की तरह अपने घोड़े पर झूमता हुआ चला जा रहा था। जान नहीं पड़ता था कि घोड़ा आगे जा रहा है या पीछे।

(क) लेखक डाँड़े किस समय पहुँचे? **[1]**

(ख) उत्तर की तरफ़ क्या दिखाई दे रहा था? **[2]**

(ग) देवता का स्थान कैसे सजाया गया था? **[2]**

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[2× 4= 8]**

(क) बालिका मैना ने सेनापति 'हे' को कौन-कौन से तर्क देकर महल की रक्षा के लिए प्रेरित किया? लिखिए। **[2]**

(ख) 'मेरे बचपन के दिन' पाठ में बापू ने लेखिका की कौन-सी वस्तु माँग ली और क्यों? **[2]**

(ग) नदी का साँवला पानी वृंदावन की किन घटनाओं की याद करा देता है? पठित पाठ 'साँवले सपनों की याद' के आधार पर लिखिए। **[2]**

(घ) शेकर विहार के मंदिर में रखे बौद्ध ग्रंथों का वर्णन कीजिए। **[2]**

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। **[5]**

पर आज जिधर भी पैर करके सोओ
वही दक्षिण दिशा हो जाती है
सभी दिशाओं में यमराज के आलीशान महल हैं
और वे सभी में एक साथ
अपनी दहकती आँखों सहित विराजते हैं
माँ अब नहीं है
और यमराज की दिशा भी वह नहीं रही
जो माँ जानती थी।

(क) कौन-सी दिशा दक्षिण दिशा हो जाती है? क्यों? **[2]**

(ख) यमराज महलों में कैसे रहते हैं? **[1]**

(ग) कवि की माँ के समय की यमराज की दिशा आज किस प्रकार बदल गई? **[2]**

9. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **[4×2=8]**

(क) 'मेघ आए' कविता में बन-ठन कर कौन आया? **[2]**

(ख) 'चंद्र गहना से लौटती बेर' कविता के आधार पर अलसी के मनोभावों का वर्णन कीजिए। **[2]**

(ग) कृष्ण के कहने पर गोपिका उनमें किस तरह अपना समर्पण व्यक्त करती है? **[2]**

(घ) 'कैदी और कोकिला' कविता में कवि ने बंदी जीवन की किन विवशताओं का उल्लेख किया है? **[2]**

10. झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है? 'माटीवाली' पाठ के संदर्भ में बताइए। इनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाने के लिए कुछ उपयोगी सुझाव दीजिए। **[4]**

अथवा

'मेरे संग की औरतें' पाठ में लेखिका की माँ घर में कोई विशेष काम नहीं करती थीं, फिर भी सबकी उनमें श्रृद्धा थी। ने इसके क्या कारण बताए गए हैं?

खंड – घ : लेखन

[20 अंक]

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए। [10]

नदी की आत्मकथा

संकेत-बिंदु : ● नदी की वर्तमान स्थिति ● नदियों का प्रचीन स्परूप ● उसकी खुशहाल ज़िंदगी ● लोगों का व्यवहार ● प्रदूषण ● स्थिती में सुधार।

अथवा

विज्ञापनों का महत्त्व

संकेत-बिंदु : ● प्रस्तावना ● विज्ञापन का अर्थ ● वर्तमान जीवन एवं विज्ञापन ● सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्ष ● उपसंहार।

अथवा

परोपकार

संकेत-बिंदु : ● भूमिका ● परस्पर सहयोग ● मानव जीवन की श्रेष्ठता ● भारतीय समाज में महत्त्व ● उपसंहार।

12. पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर नगर में बढ़ती छीना-झपटी की वारदातों पर ध्यान आकर्षित कीजिए ताकि उनकी रोकथाम हो सके। [5]

13. सीमा पर तैनात दो फ़ौजी जवानों के मध्य बातचीत पर आधारित संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। [5]

सैंपल प्रश्नपत्र (हल रहित)

निर्धारित समय : 3 घंटे **(कक्षा नवीं-ब)** **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश

* इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
* चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
* यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड – 'क' : अपठित बोध

[15 अंक]

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[9]**

आधुनिक भौतिक सभ्यता और संस्कृति नगरों में तथा महानगरों में निवास करती है क्योंकि वैज्ञानिक साधनों-प्रसाधनों का भरपूर उपयोग शहरों में ही हो रहा है। सुख-समृद्धि के सारे साधन शहरों में उपलब्ध हैं। नौकरी-चाकरी, वाणिज्य-व्यवसाय, शिक्षण-प्रशिक्षण की सारी सुविधाएँ शहरवासियों को प्राप्त हैं। हर स्तर का शिक्षित-अशिक्षित व्यक्ति शहर में अपनी आजीविका अर्जित कर सकता है। देश के सारे कल-कारखाने शहरों में हैं। सरकारी कार्यालय, न्यायालय, उच्च शिक्षा के संस्थान, वाणिज्य केंद्र, शिल्प केंद्र आदि की स्थापना नगरों में ही की जाती है। शहरों के बाज़ारों में ही विभिन्न प्रकार के वस्त्राभूषण, सौंदर्य प्रसाधन, औषधियाँ, आहार-विहार की सामग्रियाँ, वैज्ञानिक उपकरण आदि प्राप्त हो सकते हैं। यहाँ आवागमन की सुविधा के लिए छोटी-बड़ी साफ़-सुथरी सड़कों का जाल बिछा हुआ है तथा मोटरें, बसें, टैक्सियाँ आदि सवारियाँ हर समय प्राप्त हैं। महानगरों में मेट्रो तथा भूगर्भ रेलगाड़ियों जैसी सवारियाँ भी मिलती हैं। शहरों में कानून की व्यवस्था के लिए जगह-जगह पुलिस होती है तथा सफ़ाई व्यवस्था के लिए कर्मचारी होते हैं। चारों ओर बिजली के खंभों और तारों का जाल बिछा हुआ है जिनसे घर-बाहर प्रकाश छाया रहता है। विद्युत शक्ति से ही घरेलू जीवन में अनेक छोटे-बड़े कार्य होते हैं और कल-कारखाने चलाए जाते हैं। सिनेमा, थियेटर, पुस्तकालय, पार्क, खेलकूद के मैदान आदि मनोरंजन के अनेक साधन हैं। कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, दिल्ली जैसे महानगरों में राष्ट्रीय महत्त्व के वाणिज्य केंद्र, कला भवन, विश्वविद्यालय, राजभवन-संसद अथवा विधानसभा भवन, हाई कोर्ट, विदेशी दूतावास, शीतताप नियन्त्रित होटल, बंदरगाह आदि स्थित हैं। इन शहरों में प्रतिदिन लाखों आदमी प्रातःकाल से रात्रिपर्यंत देश-विदेश से आते-जाते रहते हैं। हरिद्वार, पुरी, प्रयाग, काशी आदि तीर्थाटन की दृष्टि से तथा दार्जिलिंग, शिमला, श्रीनगर, नैनीताल, मसूरी आदि पर्यटन की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण नगर हैं। कई नगर जैसे आगरा, झाँसी, पूना आदि ऐतिहासिक स्मारकों के लिए प्रसिद्ध हैं। नगरों में विभिन्न धर्मों, जातियों तथा भाषाओं के लोग संकीर्णताओं से मुक्त स्वच्छंद जीवन बिताते हैं।

(क) आधुनिक भौतिक सभ्यता और संस्कृति कहाँ निवास करती है और क्यों? संक्षेप में लिखिए। **[2]**

(ख) महानगरों में यातायात के कौन-से विशेष साधन मिलते हैं? **[2]**

(ग) महानगरों का जीवन कैसा होता हैं? **[2]**

(घ) तीर्थाटन और पर्यटन की दृष्टि से भारत के कौन-से नगर प्रसिद्ध हैं? **[2]**

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। **[1]**

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[6]**

एक सुनहरी किरण उसे भी दे दो
भटक रहा जो अँधियाली के वन में
लेकिन जिसके मन में
अभी शेष है चलने की अभिलाषा
एक सुनहरी किरण उसे भी दे दो।

मौन, कर्म में निरत, बद्ध पिंजर में व्याकुल
भूल गया जो दुख जतलाने वाली भाषा
उसको भी वाणी के कुछ क्षण दे दो।
तुम जो सजा रहे हो, ऊँची फुनगी पर के ऊर्ध्वमुखी
नव-पल्लव पर आभा की किरणें, तुम जो जगा रहे हो
दल के दल कमलों की आँखों के
सब सोए सपने, तुम जो बिखराते हो भू पर
राशि-राशि सोना, पथ को उद्भासित करने एक किरण से
उसका भी माथा उद्भासित कर दो।
एक स्वप्न उसके भी सोए मन में
जाग्रत कर दो, एक सुनहरी किरण उसे भी दे दो।

(क) कवि एक सुनहरी किरण किसे देने की बात कर रहा है? **[2]**

(ख) कवि वाणी के क्षण किसे देने की बात कर रहा है? **[2]**

(ग) 'एक किरण से उसका भी माथा उद्भासित कर दो' से कवि का क्या अभिप्राय है? **[2]**

खंड – 'ख' : व्यावहारिक व्याकरण **[15 अंक]**

3. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए। **[५]**

समर्पित, प्रेमी

(ख) 'आनंद' में अनुस्वार लगाकर मानक रूप लिखिए।

(ग) 'चांदनी' में उचित स्थान पर अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कर शब्द को दोबारा लिखिए।

(घ) 'कागज' में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए।

4. (क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए। **[४]**

(i) गंगा + ऊर्मि ***(ii)*** उत् + लेख

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए।

(i) स्वच्छ ***(ii)*** उद्घाटन

5. (क) निम्नलिखित शब्द में मूल शब्द व प्रयुक्त उपसर्ग अलग कीजिए। **[६]**

सुकुमार

(ख) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द व प्रयुक्त प्रत्यय अलग कीजिए।

(i) बलशाली ***(ii)*** पुजापा

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विराम-चिह्न लगाइए।

(i) हाय उस बेचारी का हाथ टूट गया

(ii) अध्यापक ने कहा कल सात बजे विद्यालय आना है

(iii) कमाल इसने प्रसन्न होकर कहा

खंड – ग : पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक **[२५ अंक]**

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[2+2+1]**

(क) "तुम्हारे मानने ही से मेरा ईश्वरत्व कायम नहीं रहेगा। दया करके, मनुष्यत्व को मानो, पशु बनना छोड़ो और आदमी बनो!" आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'यंग इंडिया' साप्ताहिक में लेखों की कमी क्यों रहने लगी थी?

(ग) कीचड़ के प्रति किसी को सहानुभूति क्यों नहीं होती?

7. धर्म और ईमान कैसा होना चाहिए और क्यों? 'धर्म की आड़' पाठ के आधार पर बताइए। **[5]**

अथवा

'दुख का अधिकार' शीर्ष की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[2+2+1 = 5]**

(क) प्रेम रूपी धागे की क्या विशेषता है?

(ख) सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर उसे दंडित किया गया?

(ग) 'आदमीनामा' कविता में कवि ने किन मनुष्यों पर व्यंग्य किया है?

9. 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता में कवि ने किस सामाजिक विषमता को उजागर किया है? लिखिए। **[5]**

अथवा

कवि ने 'कभी न थमने' और 'कभी न मुड़ने' की बात कही है। 'अग्नि पथ' कविता के आधार पर इसका आशय स्पष्ट कीजिए।

10. मालाबार में हिंदू-मुसलमानों के परस्पर संबंधों को अपने शब्दों में लिखिए। **[5]**

खंड – 'घ' : लेखन

[25 अंक]

11. दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में कोई एक अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

(क) पर्यटन के लाभ

संकेत-बिंदु : • पर्यटन का अर्थ • पर्यटन से लाभ • जीवन की वास्तविकता के दर्शन • संकटों से दो-चार होना • विभिन्न संस्कृतियों के समाधान • स्वास्थ्य के लिए लाभदायक।

(ख) भ्रष्टाचार

संकेत-बिंदु : • इसका अर्थ • इसकी व्यापकता • इसके दुष्परिणाम • समस्या के समाधान।

(ग) विज्ञापन

संकेत-बिंदु : • विज्ञापन का अर्थ और इसकी आवश्यकता • विभिन्न प्रकार के विज्ञापन • विज्ञापनों के विभिन्न माध्यम • विज्ञापनों का प्रभाव और लाभ।

12. आपके चाचा जी काफ़ी दिनों से अस्वस्थ हैं। उनकी कुशलता जानने के लिए चाचा जी को पत्र लिखिए। **[5]**

13. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप से चित्र से ही संबद्ध होना चाहिए। **[5]**

14. 'फ़ैशन का बढ़ता प्रभाव' विषय पर माँ और बेटी के बीच संवाद लिखिए। **[5]**

15. आयोडीन युक्त 'साँभर' के लिए 25-50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन लिखिए। **[5]**

सैंपल प्रश्नपत्र (हल रहित)

निर्धारित समय : 3 घंटे **(कक्षा दसवीं-अ)** **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश

* इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
* चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
* यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड – 'क' : अपठित बोध

[15 अंक]

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[9]**

ईश्वर के प्रति आस्था वास्तव में जन्मजात न होकर सामान्यतः हमारे घर-परिवार और परिवेश में हमें संस्कारों के रूप में मिलती है और ज़्यादातर लोग बचपन में इसे बिना कोई प्रश्न किए ही ग्रहण करते हैं। हमें छह में से सिर्फ़ एक व्यक्ति ऐसा मिला जिसका कहना है कि वह बचपन से ही ईश्वर के अस्तित्व के प्रति संदेहशील हो चला था, लेकिन पाँच ने कहा कि उनके साथ ऐसी स्थिति नहीं थी। जिस व्यक्ति ने यह कहा कि बचपन से ही उसने ईश्वर के बारे में अपने संदेह प्रकट करने शुरू कर दिए थे, उनका कहना था कि ऐसा उसने शायद अपने आसपास के जीवन में सामाजिक विसंगतियाँ देखकर किया होगा, क्योंकि उसके सवालों के स्रोत यही थे। एक तरफ़ उसने पाया कि धार्मिक पुस्तकें और धार्मिक लोगों के कथनों से कुछ और बात निकलती है, लेकिन जो आसपास के वातावरण में देखने को मिलता है तथा ये धार्मिक लोग स्वयं जो व्यवहार करते हैं वह कुछ और है, लेकिन बाकी पाँच ने सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों और ईश्वर के प्रति आस्था में अंतःसंबंध पहले नहीं देखे थे। जिन लोगों ने ईश्वर में आस्था बाद में खो दी, उन्होंने माना कि इसका मूल कारण उनका पुस्तकों से बचपन से ही संपर्क में आना रहा है। बाद में निरीश्वरवादी विचारों तथा नास्तिकों के संपर्क में आने से ईश्वर के अस्तित्व के विषय में उनका संदेह मज़बूत हुआ, उसे एक निश्चित दिशा मिली। वे नहीं मानते कि उनके इस जीवन में बाद में कभी ऐसा समय भी आ सकता है, जब वे ईश्वर की तरफ़ पुनः लौटने की बाध्यता महसूस करेंगे, हालांकि वे स्वीकार करते हैं कि उन्होंने ऐसे लोगों को देखा है, जो अपने युवाकाल में घनघोर नास्तिक थे, मगर जीवन के अंतिम दौर तक आकर घनघोर आस्तिक बन गए।

(क) ईश्वर के प्रति आस्था हम कहाँ से ग्रहण करते हैं? ज़्यादातर लोग इसे कब ग्रहण करते हैं? **[2]**

(ख) लेखक को कितने व्यक्ति ऐसे मिले जो ईश्वर के प्रति संदेहशील थे और क्यों? **[2]**

(ग) लेखक ने और कैसे लोग देखे? **[2]**

(घ) कुछ लोगों ने ईश्वर में आस्था बाद में क्यों खो दी? **[2]**

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए? **[1]**

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों उत्तर लिखिए। **[6]**

जिसकी रज में लोट-लोटकर बड़े हुए हैं,
घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं,
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए,
जिसके कारण 'धूल भरे हीरे', कहलाए,

हम खेले-कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में
हे मातृभूमि! तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में
निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है,
शीतल मंद सुगंध पवन हर लेता श्रम है,

षट्ऋतुओं का विविध, दृश्य युत अद्भुत क्रम है,
हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है,

शुचि सुधा सींचता रात में तुझ पर चंद्रप्रकाश है
हे मातृभूमि! दिन में तरणि, करता तम का नाश है
जिस पृथ्वी में मिले हमारे पूर्वज प्यारे,
उससे हे भगवान! कभी हम रहें न न्यारे,
लोट-लोट कर वहीं हृदय को शांत करेंगे
उसमें मिलते समय मृत्यु से नहीं डरेंगे,
उस मातृभूमि की धूल में, जब पूरे सन जाएँगे।
होकर भव-बंधन-मुक्त हम, आत्मरूप बन जाएँगे।

(क) धूल भरे हीरे कौन और किसके कारण कहलाए? **[2]**

(ख) काव्यांश में मातृभूमि की क्या-क्या विशेषताएँ बताई गई हैं? **[2]**

(ग) कवि ईश्वर से क्या कामना करता है? **[2]**

खंड – 'ख' : व्यावहारिक व्याकरण **[15 अंक]**

3. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए। **[५]**

स्वयंवर, समर्पित

(ख) राम और श्याम ने बगीचे में बैठकर लीची खाई। – रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए।

(ग) 'बांसुरी' में उचित स्थान पर अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कर शब्द को दोबारा लिखिए।

(घ) 'तकलीफ' में उपयुक्त स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए।

(ङ) निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए।

(i) नीतिनिपुण ***(ii)*** राजपुरोहित ***(iii)*** गिरहकट

4. (क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए। **[4]**

(i) गंगा + ऊर्मि ***(ii)*** राजा + इंद्र

(ख) निम्नलिखित शब्द में से संधि-विच्छेद कीजिए।

(i) सद्गति ***(ii)*** वीरोचित

5. (क) निम्नलिखित शब्द में मूल शब्द व प्रयुक्त उपसर्ग अलग कीजिए। **[6]**

अनुगमन

(ख) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द व प्रयुक्त प्रत्यय अलग कीजिए।

(i) सभ्यता ***(ii)*** सामाजिक

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विराम-चिह्न लगाइए।

(i) अनुराधा ने कहा आज मेरा जन्मदिन है

(ii) ओ हो क्या हुआ आज फिर गिर गए

(iii) वे सुनने बोलने और लिखने के साथ-साथ पढ़ने में भी पारंगत होते हैं।

खंड – 'ग' : पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक **[25 अंक]**

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[2+2+1]**

(क) मनुष्य कीचड़ का तिरस्कार कब न करता?

(ख) लड़के को बचाने के लिए बुढ़िया माँ ने क्या-क्या उपाय किए?

(ग) चढ़ाई के समय एवरेस्ट की चोटी की स्थिति कैसी थी?

7. चतुर और बेईमान लोग धर्म के नाम पर क्या-क्या करते हैं? 'धर्म की आड़' पाठ के आधार पर लिखिए। **[5]**

अथवा

लेखक और अतिथि के संबंध सक्रंमण के दौरे से क्यों गुजर रहे थे?

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[2+2+1]**

(क) 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता का केंद्रीय भाव क्या है?

(ख) लाख कोशिश करने पर भी बिगड़ी बात नहीं बनती, क्यों?

(ग) बीमार सुखिया की क्या इच्छा थी?

9. नए बसते इलाके में कवि के रास्ता मापने के क्या-क्या कारण हैं? स्पष्ट कीजिए। **[5]**

अथवा

'आदमी नामा' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

10. गोपाल प्रसाद विवाह को बिजनेस मानते हैं और रामस्वरूप अपनी बेटी की उच्च शिक्षा छिपाते हैं। क्या आप मानते हैं कि दोनों ही समान रूप से अपराधी हैं? अपने विचार लिखिए। **[5]**

अथवा

'शिक्षा बच्चों का जन्म सिद्ध अधिकार है। 'मेरे संग की औरतें' पाठ में लेखिका के प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

खंड – 'घ' : लेखन

[25 अंक]

11. दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर 80 से 100 शब्दों में कोई एक अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

(क) जीवन में व्यायाम का महत्व

संकेत-बिंदु : ● भूमिका । शारीरिक स्वास्थ्य आवश्यक । व्यायाम के लाभ । सुंदर-स्वस्थ शरीर का स्वरूप । मन पर अनुकूल प्रभाव । समस्त आनंदों का स्रोत व्यायाम । उपसंहार।

(ख) सच्ची मित्रता : अनुपम वरदान

संकेत-बिंदु : ● सच्ची मित्रता का अर्थ ● सच्ची मित्रता एक पारस पत्थर ● इसके अनेक लाभ ● अनुपम वरदान।

(ग) आज की बचत, कल का सुख

संकेत-बिंदु : ● अधिक आय के कारण खर्च की प्रवृत्ति ● फ़ैशन का प्रभाव ● बचत लाभकारी ● सुखमय भविष्य सुनिश्चित

12. माता जी को पत्र लिखकर अपने छात्रावास की नई सखियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। **[5]**

13. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप से चित्र से ही संबद्ध होना चाहिए। **[5]**

14. रिमझिम बरसात में भीगते दो मित्रों के बीच बातचीत को लगभग 50 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए। **[5]**

15. जैविक कृषि को बढ़ावा देने का सुझाव देते हुए 25-50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन लिखिए। **[5]**

सैंपल प्रश्नपत्र (हल रहित)

(कक्षा दसवीं-ब)

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश

* इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
* चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
* यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड – 'क' : अपठित बोध

[15 अंक]

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[9]**

हमें संसार के सभी जीव-जंतुओं से प्यार करना चाहिए और उनके प्रति अपना व्यवहार भी मधुर रखना चाहिए। मानव-मात्र के प्रति हमें अपने हृदय को हर क्षण खुला ही रखना चाहिए। कहने का तात्पर्य है कि समाज का हर व्यक्ति-अमीर-गरीब, शिक्षित-अशिक्षित, परिचित-अपरिचित हमारे उचित स्नेह और सम्मान का अधिकारी है। साधारणतः किशोर एवं किशोरियों के जीवन में उनके माता-पिता, गुरुजन एवं उनके सहपाठियों का महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। इनमें माता-पिता और गुरुजन प्रत्येक स्थिति में हमारी श्रद्धा और हमारे सत्कार के पात्र हैं। यही नहीं, ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो हमसे आयु में छोटा किंतु बुद्धि, पद एवं सामर्थ्य में हमसे श्रेष्ठ हो, वह भी हमारे आदर का पात्र है।

अपने से किसी गुण में श्रेष्ठ व्यक्ति से जब भी भेंट हो जाए तब उसके प्रति अभिवादन का भाव प्रकट करें। विनम्रतापूर्वक उनको प्रणाम करना ही सर्वश्रेष्ठ ढंग है। हम उनके चरण-स्पर्श करते हुए भी उन्हें प्रणाम कर सकते हैं। यदि हम बैठे हों और वे पहुँच जाएँ तो यथाशीघ्र हमें स्थान से उठकर खड़े हो जाना चाहिए। अभिवादन के पश्चात उनकी आज्ञा पाकर उचित स्थान ग्रहण करें, किंतु तभी जब उन्होंने स्थान ग्रहण कर लिया हो। उनके साथ बातचीत करते समय पूरी विनम्रता और शालीनता बरतें। क्रोध, क्षोभ अथवा घृणा का भाव मन में उठे तो उसे किसी भी रूप में प्रकट न होने दें। शब्दों का प्रयोग भी सोच-समझकर करें। गुरुजनों से आँखें न मिलाएँ और न उनके किसी कथन को चुनौती दें। उनसे बातें करते समय अपनी आँखें सदैव नीची रखें। यदि किसी बात से आप असहमत हों और अपनी असहमति स्पष्ट करना चाहें तो बड़ी विनम्रता के साथ क्षमा-याचनापूर्वक असहमति प्रकट करें। इसका उन पर बड़ा ही अच्छा प्रभाव पड़ेगा और आपकी असहमति से उनको ज़रा भी कष्ट या क्रोध नहीं होगा। संभव है वे स्वयं आपसे सहमत हो जाएँ।

(क) हमें संसार में किससे प्यार करना चाहिए और किसके प्रति अपना व्यवहार मधुर रखना चाहिए? **[2]**

(ख) साधारणतः किशोर एवं किशोरियों के जीवन में किसका महत्त्वपूर्ण स्थान है? **[2]**

(ग) अपने से किसी गुण में श्रेष्ठ व्यक्ति से भेंट होने पर कैसा व्यवहार करना चाहिए? **[2]**

(घ) प्रत्येक स्थिति में हमारी श्रद्धा के पात्र कौन होते हैं? हमें किसके साथ आँखें नहीं मिलाना चाहिए? **[2]**

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। **[1]**

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[6]**

भयानक सूखा है।
पक्षी छोड़कर चले गए हैं, पेड़ों को
बिलों को छोड़कर चले गए हैं चींटे-चींटियाँ।
देहरी और चौखट
पता नहीं कहाँ किधर चले गए हैं,
घरों को छोड़कर।
भयानक सूखा है।
मवेशी खड़े हैं
एक-दूसरे का मुँह ताकते हुए,

कहते हैं पिता
ऐसा अकाल कभी नहीं देखा।
ऐसा अकाल कि बस्ती में
दूब तक झुलस जाए,
सुना नहीं कभी।
'दूब मगर मरती नहीं'
कहते हैं वे
और हो जाते हैं चुप।
निकलता हूँ मैं
दूब की तलाश में
खोजता हूँ परती-पराठ,
झाँकता हूँ कुओं में,
छान डालता हूँ गली चौराहे,
मिलती नहीं दूब,
मुझे मिलते हैं मुँह बाए घड़े,
बाल्टियाँ, लोटे, परात,
झाँकता हूँ घड़ों में,
लोगों की आँखों की कटोरियों में
झाँकता हूँ मैं,
मिलती नहीं,
मिलती नहीं दूब।

(क) भयानक सूखे का क्या परिणाम हुआ है? **[2]**

(ख) पिता को अकाल क्यों भयावह लग रहा है? वे क्या कहते हैं? **[2]**

(ग) कवि ने घड़े को 'मुँह बाए' क्यों कहा? वह किन-किन बर्तनों को किस हालत में पाते हैं? **[2]**

खंड – 'ख' : व्यावहारिक व्याकरण **[15 अंक]**

3. रेखांकित कहाँ 'शब्द' है और कहाँ 'पद', बताइए। **[2]**

(i) <u>काठमांडू</u>, नेपाल, राजधानी

(ii) <u>काठमांडू</u> नेपाल की राजधानी है।

4. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर लिखिए। **[3]**

(क) कार्य समाप्त करके मज़दूर अपने घर चले गए। (संयुक्त वाक्य में)

(ख) वह कल बीमार थी इसलिए नहीं आ सकी। (सरल वाक्य में)

(ग) निर्धन होते हुए भी वह स्वाभिमानी है। (मिश्र वाक्य में)

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। **[4]**

(क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

यथासंभव, पंकज

(ख) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।

तीन नेत्रों वाला (शिव), नौ ग्रहों का समूह

6. नीचे लिखे वाक्यों को शुद्ध कीजिए। [4]

(क) यह बात जब मैं बच्चा था उस समय की है।

(ख) दादा जी बच्चों को फल खिलाए।

(ग) एक गर्म गिलास दूध पीकर सो जाओ।

(घ) बच्चे खेल रहा है।

7. निम्नलिखित मुहावरों से इस प्रकार वाक्य बनाइए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए। [2]

हाथ मलना, आटे दाल का भाव मालूम पड़ना

खंड – 'ग' : पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक [25 अंक]

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [2+2+1=5]

(क) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर बताइए कि मोनुमेंट के मैदान में उस दिन कैसी चहल-पहल थी?

(ख) शेख अयाज़ के पिता ने अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख क्या किया?

(ग) सआदत अली कौन था? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?

9. 'झेन की देन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि सत्य केवल वर्तमान में है, उसी में जीना चाहिए। [5]

अथवा

बड़े भाई के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है?

10. निम्नलिखित में से प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2+2+1]

(क) मीरा कृष्ण दर्शन के लिए कुसुम्बी साड़ी क्यों पहनना चाहती हैं?

(ख) 'विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं' पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?

(ग) 'कर चले हम फ़िदा' गीत में पौराणिक प्रतीकों का सुंदर प्रयोग किस तरह से किया गया है? समझाइए।

11. 'मनुष्यता' कविता में वर्णित तीन मानवीय गुणों के बारे में लिखिए। [5]

अथवा

मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती करते हुए किन उदाहरणों का उल्लेख किया है?

12. बच्चे मास्टर प्रीतमचंद की मार-पीट से डरते थे। क्या मारपीट के बिना शिक्षा नहीं दी जा सकती है? इस संबंध में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। [5]

खंड – 'घ' : लेखन [25 अंक]

13. दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [5]

जीवन में खेलों का महत्त्व

संकेत-बिंदु : • शारीरिक शक्ति में वृद्धि • मानसिक कार्य से राहत • खेल के प्रकार • सहयोग की भावना • खेलों का जीवन में महत्त्व

अथवा

सच्ची मित्रता

संकेत-बिंदु : • मित्र की पहचान • मित्रता का महत्त्व • सच्चे मित्र का चुनाव • लाभ

अथवा

नारी-शिक्षा का महत्त्व

संकेत-बिंदु : • देश के उत्थान में सहायक • नारी के विविध रूप • अशिक्षित नारी दुर्बलता का प्रतीक • जीवन में कामयाबी

14. आपके क्षेत्र में सभी नाले-सीवर जाम हैं। गंदगी चारों ओर फैली हुई है। इससे होने वाली असुविधाओं को बताते हुए नगर निगम को पत्र लिखिए। **[5]**

15. कामचोर नौकर और सख्त मालकिन के बीच होने वाले संवाद अपने शब्दों में लिखिए। **[5]**

16. प्रधानाचार्य की ओर से विद्यालय के वार्षिक दिवस पर आयोजित होने जा रही खेल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु सूचना लिखिए। **[5]**

17. आप किसी कंपनी के मैनेजर हैं। आपको अपनी कंपनी के लिए सेल्स मेन की आवश्यकता है। इसके लिए 25-50 शब्दों में विज्ञापन लिखिए। **[5]**